**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**27.07.2018 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1248 का उत्तर**

**रेलगाड़ियों तथा शौचालयों में यात्री सुविधाएं और स्वच्छता**

**1248. श्री राम नाथ ठाकुरः**

 **क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या मंत्रालय रेल यात्रा में यात्री सुविधाओं को प्राथमिकता देता है तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है;

(ख) क्या मंत्रालय को इस बात की जानकारी है कि द्वितीय श्रेणी के शयनयान डिब्बे में साफ-सफाई का नितान्त अभाव रहता है, जिसकी वजह से शौचालयों से भयानक बदबू आती है और यात्रियों को असह्य दुर्गंध में यात्रा करनी पड़ती है; और

(ग) क्या मंत्रालय शयनयान श्रेणी के डिब्बों में वास्तविक स्थिति सुनिश्चित करने और उस पर सुधारात्मक उपायों का सुझाव देने हेतु कोई सर्वेक्षण करवाएगा?

**उत्तर**

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

(क) से (ग) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*\*\*

रेलगाड़ियों तथा शौचालयों में यात्री सुविधाएं और स्वच्छता के संबंध में 27.07.2018 को राज्‍य सभा में श्री राम नाथ ठाकुर के अतारांकित प्रश्‍न सं. 1248 के भाग (क) से (ग) के उत्‍तर से संबंधित **विवरण**।

(क) और (ख): जी हां। पर्याप्‍त यात्री सुविधाओं और साफ-सफाई का प्रावधान करना एक सतत् प्रक्रिया है और शौचालयों को स्‍वच्‍छ बनाए रखने सहित सवारीडिब्‍बों में साफ-सफाई बनाए रखने के हर संभव प्रयास किए जाते हैं। बहरहाल, कभी-कभार सवारीडिब्‍बों में साफ-सफाई और शौचालयों से बदबू के संबंध में कुछ शिकायतें प्राप्‍त होती रहती हैं।

जैव-शौचालयों में बदबू सामान्यत: यात्रियों द्वारा गलत तरीके से उपयोग करने के कारण आती है। इसके लिए, सुधारात्‍मक उपाए किए जा रहे हैं।

भारतीय रेलवे द्वारा मार्ग में और कोचिंग डिपुओं में अनुरक्षण के दौरान शिकायतों के निपटान के हर-संभव प्रयास किए जाते हैं।

(ग): जी नहीं। स्‍लीपर श्रेणी के सवारी डिब्‍बों की स्थिति का पता लगाने के लिए किसी विनिर्दिष्‍ट सर्वेक्षण करने की कोई योजना नहीं है।

बहरहाल, भारतीय रेलवे द्वारा स्‍लीपर श्रेणी के सवारीडिब्‍बों सहित सवारीडिब्‍बों की साफ-सफाई में सुधार लाने के संबंध में अनेक प्रयास किए गए हैं। उनमें से कुछ निम्‍नानुसार हैं:

(i) दोनों छोरों पर यांत्रिकृत सफाई सहित गाड़ी के शौचालयों सहित सवारीडिब्‍बों की सफाई।

(ii) गाड़ियों के चालन के दौरान सवारीडिब्‍बों के शौचालयों, दरवाज़ों, पायदानों, गलियारों और यात्री कंपाटमेंटों की सफाई के लिए राजधानी, शताब्‍दी और लंबी दूरी की अन्‍य महत्‍पपूर्ण मेल/एक्‍सप्रेस गाड़ियों सहित 1000 जोड़ी से अधिक गाड़ियों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (ओबीएचएस) मुहैया कराई गई है।

(iii) ‘क्‍लीन माई कोच’ योजना में, ओबीएचएस सेवा वाली गाड़ियों के सवारी डिब्‍बे की किसी भी प्रकार की सफाई संबंधी आवश्‍यकता के लिए, यात्री एक विनिर्दिष्‍ट मोबाइल नम्‍बर पर मोबाइल के माध्‍यम से एक संदेश (एसएमएस) भेज सकता है। विकल्‍प के तौर पर यात्री अनुरोध दर्ज कराने के लिए एंड्रायड ऐप अथवा वैबपेज का उपयोग कर सकते हैं।

(iv) ‘क्‍लीन माई कोच’ योजना को ‘क्‍लीन मित्र’ सुविधा से अपग्रेड किया जा रहा है जो सफाई, कीटाणुशोधन, लिनेन, गाड़ी प्रकाश व्‍यवस्‍था, वातानुकूलन और सवारी डिब्‍बों में पानी की व्‍यवस्‍था जैसी यात्रियों की सवारीडिब्‍बा संबंधी आवश्‍यकताओं को दर्ज करने के लिए एकल खिड़की इंटरफेस है। लगभग 900 जोड़ी गाड़ियों में ‘क्‍लीन मित्र’ सुविधा शुरू की गई है।

(v) निर्धारित स्‍टेशन पर गाड़ियों के मार्गवर्ती ठहराव के दौरान शौचालयों की सफाई सहित चिह्नित की गई गाड़ियों की सीमित यांत्रिक साफ-सफाई करने के लिए क्‍लीन ट्रेन स्‍टेशन (सीटीएस) योजना को भी निर्धारित किया गया है।

(vi) वातानुकूलित सवारी डिब्‍बों के अतिरिक्‍त गाड़ियों के स्‍लीपर श्रेणी के सवारी डिब्‍बों में कूड़ेदान का प्रावधान भी किया जा रहा है।

(vii) स्‍लीपर श्रेणी के सवारीडिब्‍बों के शौचालयों में जंजीर के साथ मग का प्रावधान भी किया गया है।

(viii) जैव-शौचालयों में वेंटिलेशन में सुधार लाने और शौचालयों के अंदर कूड़ेदान का प्रावधान करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। जैव-शौचालयों के उचित उपयोग के लिए जागरूकता फैलाई जा रही है।

(ix) इस समय, 210 महत्‍वपूर्ण गाड़ियों के साफ-सफाई का मूल्‍यांकन करने के लिए एक थर्ड पार्टी सर्वेक्षण कराया जा रहा है।

\*\*\*\*\*\*